6 शहरों में ऑनरोड 820 सिटी बसें होंगी हाईटेक

यात्री मोबाइल पर देख सकेंगे बस की लोकेशन

लखनऊ (एसएनबी)। प्रदेशवासियों के लिए अच्छी खबर है कि सिटी बसों के आवागमन को लेकर अब परेशान नहीं होना पड़ेगा। सूबे के लखनऊ, कानपुर, मेरठ, इलाहाबाद, आगरा व मथुरा में चल रही सिटी बसों को हाईटेक किया जाएगा। इन बसों में ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) के लिए केन्द्र सरकार की सेमी प्राइवेट कंपनी अर्बन मास ट्रांजिट कंपनी से उत्तर प्रदेश के नगरीय परिवहन निदेशालय का अनुबंध हुआ है। यह कंपनी अगले दो महीने में छह शहरों की ऑनरोड 820 सिटी बसों में जीपीएस लगाने का काम पूरा करेगी।

लखनऊ, इलाहाबाद, कानपुर, आगरा, मेरठ व मथुरा के सिटी बसों में जीपीएस लगाने के लिए हुआ अनुबंध

राजधानी का कण्ट्रोल रूम बनेगा वारवाग में

दो महीने में लग जाएंगे बसों में जीपीएस : सिंह

नगरीय परिवहन निदेशालय के संयुक्त निदेशक अजीत सिंह ने बताया कि जीपीएस के चलते मुसाफिरों को जैसे ट्रेनों की लोकेशन मिल रही है, वैसे ही सिटी बसों के यात्रियों को भी बसों की लोकेशन की जानकारी मिल सकेगी। केन्द्र सरकार के सहयोग से सिटी बसों में जीपीएस लगाने का अनुबंध अर्बन मास ट्रांजिट कंपनी से हुआ है। इसका बोझ निदेशालय पर नहीं पड़ेगा।

श्री सिंह ने बताया कि जीपीएस लगाने के लिए केंद्र सरकार कंपनी को ग्रांट देगी। उन्होंने बताया कि छह शहरों में कुल सिटी बसों की संख्या 1148 है लेकिन 820 सिटी बसें सड़कों पर चल रही हैं। हर शहर में हर शहर में कंपनी अपना कंट्रोल रूम बनाएगी। रोजाना सिटी बसों के संचालन की रिपोर्ट देगी। इससे सिटी बसों के चालक परिचालकों पर लगाम लगेगा। सिटी बसों के जो भी रूट तय होंगे उसके अलावा अन्य रूटों पर बसें नही चल सकेंगी। इन सब बिंदुओं पर जीपीएस की नजर रहेगी।

उन्होंने बताया कि अर्बन मास ट्रांजिट कंपनी से हुए करार के अनुसार वह मोबाइल एप बनाएगी। मुसाफिर इस एप को डाउनलोड करके अपने मोबाइल फोन पर सिटी बसों की लोकेशन देख सकेंगे। साथ ही यात्री अपने मोबाइल फोन पर कहां से कहां जाना है रूट लिखने पर मोबाइल पर एक किमी के दायरे में दौड़ रही सिटी बसों की लोकेशन मोबाइल पर आ जाएगा।